अंक योजना
अति गोपनीय
(केवल आंतरिक और सीमित उपयोग हेतु)
सेकंडरी स्कूल वार्षिक परीक्षा, 2026 (X)
विषय – सामाजिक विज्ञान (087)
पेपर कोड– 32/3/1

सामान्य निर्देश:-

1.	आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में आकलन प्रक्रिया सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती से गंभीर परिणाम हो सकते हैं। भविष्य, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे को प्रभावित कर सकती हैं। गलतियों से बचने के लिए, यह अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, आपको स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ना और समझना चाहिए।
2.	**मूल्यांकन प्रक्रिया गोपनीय नीति का एक हिस्सा है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित है। इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना भारतीय न्याय संहिता के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।**
3.	अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार मूल्यांकन किया जाना है। यह किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का नियमतः पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं अथवा नवाचारी हैं, यदि वह ठीक है उसका मूल्यांकन कर उसे उचित अंक प्रदान करें अन्यथा उन्हें अंक नहीं दिए जाएंगे। 10वीं कक्षा में, योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और भले ही उत्तर अंकन योजना से न हो, लेकिन परीक्षार्थियों द्वारा सही योग्यता प्रदर्शित की गई हो तो उसे उचित अंक प्रदान कीजिए।
4.	प्रश्न पत्र को चार (04) खंडों में विभाजित किया गया है, अर्थात् खंड–क, खंड–ख, खंड–ग और खंड–घ। खंड–क इतिहास है, खंड–ख भूगोल है, खंड–ग राजनीति विज्ञान है और खंड–घ अर्थशास्त्र हैं 1- उत्तर लिखने के लिए विद्यार्थी सामाजिक विज्ञान की उत्तर–पुस्तिका को 04 खंडों में विभाजित करेंगे। 2- प्रश्नों के उत्तर केवल संबंधित खंड के लिए निर्धारित स्थान के भीतर ही लिखे जाने हैं। 3- किसी एक खंड का उत्तर किसी अन्य खंड में नहीं लिखा जाना चाहिए और न ही उसके साथ मिलाया जाना चाहिए। 4- यदि उत्तर आपस में मिल जाते हैं, तो उनका मूल्यांकन नहीं किया जाएगा और कोई अंक प्रदान नहीं किए जाएंगे। 5- परिणाम घोषित होने के बाद सत्यापन या पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान भी ऐसी गलतियों को स्वीकार नहीं किया जाएगा और न ही उन पर कोई विचार किया जाएगा।
5.	अंक– योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मूल्य बिन्दु शामिल हैं । ये केवल दिशा निर्देशों की प्रकृति में है और सम्पूर्ण उत्तर नहीं हैं । विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उचित अंक प्रदान किए जाने चाहिए।
6.	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकन की गई पहली पांच उत्तर पुस्तिकाओं को देखना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है । यदि मूल्यांकन में अंतर है तो चर्चा एवं संवाद से उसे अंतर को समाप्त किया जाना चाहिए। मूल्यांकन के लिए रखी गई शेष उत्तर पुस्तिकाएं यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएं कि व्यक्तिगत मूल्यांकनकर्ताओं के मध्य महत्वपूर्ण अंतरों को समाप्त किया जा चुका है।
7.	जब भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (√) चिह्नित करेंगे। गलत उत्तर के लिए 'X' चिह्नित करें। बहुधा मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकन करते समय सही प्रकार का चिन्ह नहीं लगाते जिससे यह आभास होता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया है। यह सबसे सामान्य गलती है जो मूल्यांकनकर्ता लगातार कर रहे हैं।

8.	यदि किसी प्रश्न के भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के मार्जिन में लिखा जाना चाहिए और घेरे में लिखा जाना चाहिए। इसका सख्ती से अनुपालन किया जाना आवश्यक है।
9.	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है, तो बाएं हाथ के मार्जिन में अंक दिए जाने चाहिए और उन्हें घेरे में लिखा जाना चाहिए। इसका सख्ती से अनुपालन किया जाना आवश्यक है।
10.	यदि किसी परीक्षार्थी ने एक प्रश्न को दुबारा हल किया है , तो अधिक अंक वाले प्रयास की गणना मूल्याकंन के लिए किया जाना चाहिए। अन्य उत्तर के अंक के लिए अतिरिक्त प्रश्न लिखिए।
11.	एक ही प्रकार की गलतियों के लिए संचयी प्रभाव से अंक नहीं काटा जाए। इसके लिए लिए केवल एक बार अंक काटा जाएगा।
12.	अंकों का एक पूर्ण पैमाने .....80..... (उदाहरण प्रश्न पत्र में दिए गए 70/60/50/40/30 अंक) का उपयोग किया जाना है। कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें यदि उत्तर इसके योग्य है।
13.	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य घंटों अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे के लिए मूल्यांकन कार्य करना होता है और मुख्य विषयों में प्रति दिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रति दिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होता है (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्न पत्र में प्रश्नों की संख्या को देखते हुए है।
14.	सुनिश्चित करें कि पूर्व में परीक्षक द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियों को आप नहीं दोहराएँः • उत्तर या उसके किसी भाग को उत्तर पुस्तिका में बिना मूल्यांकन के छोड़ना। • किसी उत्तर के लिए निश्चित किए गए अंक से अधिक अंक प्रदान करना। • एक उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग। • उत्तर पुस्तिका के आंतरिक पृष्ठों से शीर्षक पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानांतरण। • शीर्षक पृष्ठ पर प्रश्नवार गलत योग। • शीर्षक पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का गलत योग। • गलत कुल योग। • शब्दों और अंकों में अंक का मिलान नहीं होना। • उत्तरपुस्तिका से ऑनलाइन अवॉर्ड सूची में अंकों का गलत स्थानान्तरण। • उत्तर सही के रूप में चिह्नित हैं, लेकिन अंक नहीं दिए गए हैं। (सुनिश्चित करें कि सही का निशान सही और स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है। यह केवल एक पंक्ति होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X के साथ भी ऐसा ही है।) • उत्तर के आधे या एक भाग को सही और शेष को गलत के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।
15.	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
16.	किसी भी अमूल्यांकित हिस्से, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना, या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचाएगा। इसलिए, सभी संबंधितों की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण पालन किया जाए।
17.	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को स्पॉट मूल्यांकन के लिए दिशा–निर्देशों में दिए गए दिशा–निर्देशों से खुद को परिचित करना चाहिए।
18.	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंक शीर्षक पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से कुल और अंकों को शब्दों में लिखा गया है।.
19.	बोर्ड उम्मीदवारों के आवेदक के अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है और संबंधित शुल्क के भुगतान पर पुनर्मूल्यांकन का अवसर भी प्रदान करता है। मुख्य परिक्षक / अतिरिक्त मुख्य परीक्षको को पुनः स्मरण कराया जाता है कि वे सुनिश्चित करे कि मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य बिन्दुओं के अनुसार ही किया गया है।

अंक योजना

विषयः सामाजिक विज्ञान (087) 2026

कक्षाः दसवीं

पेपर कोड 32/3/1

सेट 1

अधिकतम अंकः 80

प्र सं.	अपेक्षित मूल्य बिन्दु		पृष्ठ सं.	अंक
	खण्ड क **(इतिहास)**			**20**
1.	(A)	बर्न	**12**	**1**
2.	(C)	अभिकथन (A) सही है, परंतु कारण (R) गलत है।	**5**	**1**
3.	(C)	पश्चिम एशिया	**53**	**1**
4.	(B)	a-iv,b-iii,c-i,d-ii	**35,47**	**1**
5.	(D)	II,IV,I,III	**120-127**	**1**
6.	(B) (A)	डायमंड सूत्र **दृष्टिबाधित परीक्षार्थी के लिए** डायमंड सूत्र	**106** **106**	**1** **1**
7.	**(क) यूरोप में मुद्रण के क्षेत्र में गुटेन्बर्ग के योगदान का विश्लेषण कीजिए।** (i) गुटेनबर्ग ने पत्थरों पर पॉलिश की कला सीखी, एक कुशल सुनार बने और साथ ही उसने शीशे की इच्छित आकृतियों को गढ़ने में महारत हासिल की। (ii) अपने इसी ज्ञान का इस्तेमाल, गुटेनबर्ग ने मौजूदा तकनीक से अपने आविष्कार को गढ़ने में किया। (iii) जैतून प्रेस ही प्रिंटिंग–प्रेस का आधार बना, और साँचों का उपयोग अक्षरों की धातुई आकृतियों को गढ़ने में किया। (iv) गुटेनबर्ग ने छपाई आंदोलन को बेहतर बनाया। (v) उनके द्वारा छापी गई पहली किताब 'बाइबल' थी। (vi) तीन साल में इसकी लगभग 180 प्रतियाँ छापी गईं। (vii) उस समय के मानकों के हिसाब से, यह बहुत तेज़ उत्पादन था। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**		**109**	**3x1=3**

	अथवा **(ख) "मुद्रण ईश्वर की दी हुई महानतम देन है, सबसे बड़ा तोहफा।" इस कथन का विश्लेषण कीजिए।** (i) मुद्रण ने विचारों के व्यापक प्रसार की संभावना उत्पन्न की। (ii) इसने बहस और चर्चा की एक नई दुनिया की शुरुआत की। (iii) छपाई ने लोगों को अलग ढंग से सोचने में सहायता की। (iv) छपाई एक नया बौद्धिक माहौल लेकर आई और उन नए विचारों को फैलाने में मदद की, जिनसे सुधार आंदोलन (Reformation) की शुरुआत हुई। (v) सुधार आंदोलन के कारण चर्च के भीतर विभाजन हुआ और प्रोटेस्टेंट सुधार आंदोलन की शुरुआत हुई। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	**112**	**3x1=3**
8.	**(क) 1789 में फ्रांसीसी क्रांति को राष्ट्रवाद की पहली स्पष्ट अभिव्यक्ति क्यों माना जाता है? उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए।** (i) 1789 में संपूर्ण फ्रांस पर एक निरंकुश राजा का आधिपत्य था। (ii) फ्रांसीसी क्रांति से राजनीतिक और संवैधानिक बदलाव आए। (iii) फ्रांसीसी क्रांति के परिणामस्वरूप प्रभुसत्ता राजतंत्र से हटकर फ्रांसीसी नागरिकों के समूह के हाथों में चली गई। (iv) क्रांति ने यह घोषणा की कि अब से लोग ही राष्ट्र का गठन करेंगे और फ्रांस के भविष्य को आकार देंगे। (v) पितृभूमि (la patrie) और नागरिक(le citoyen) के विचारों ने एक संयुक्त समुदाय की भावना पर बल दिया, जिसे संविधान के तहत समान अधिकार प्राप्त थे। (vi) पुराने राजध्वज की जगह तीन रंगों का एक नया फ्रांसीसी झंडा चुना गया। (vii) इस्टेट्स जेनरल का चुनाव सक्रिय नागरिकों के समूह द्वारा किया गया और उसका नाम बदलकर 'नेशनल असेंबली' रख दिया गया। (viii) राष्ट्र के नाम पर नए गीत रचे गए, शपथ ली गईं और शहीदों को याद किया गया। (ix) एक केंद्रीकृत प्रशासनिक व्यवस्था लागू की गई, जिसने अपने क्षेत्र के सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून बनाए। (x) आंतरिक सीमा शुल्क और कर समाप्त कर दिए गए। (xi) नाप–तोल की एक समान प्रणाली अपनाई गई। (xii) क्षेत्रीय बोलियों को हतोत्साहित किया गया और फ्रेंच भाषा राष्ट्र की आम भाषा बन गई। (xiii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	**5**	**5x1=5**
	अथवा **(ख) साम्राज्यवाद से जुड़कर राष्ट्रवाद किस प्रकार 1914 में यूरोप को महाविपदा की ओर ले गया? उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए।** (i) दुनिया के कई देश, जिन पर 19वीं सदी में यूरोपीय ताकतों ने कब्ज़ा कर लिया था, उन्होंने साम्राज्यवादी वर्चस्व का विरोध करना शुरू कर दिया। (ii) हर तरफ जो साम्राज्यवाद–विरोधी आंदोलन उभरे, वे राष्ट्रवादी थे।	**27**	**5x1=5**

	(iii) उन सभी ने स्वतंत्र राष्ट्र–राज्य बनाने के लिए संघर्ष किया। (iv) वे सामूहिक राष्ट्रीय एकता की भावना से प्रेरित थे। (v) यूरोपीय राष्ट्रवाद के विचारों को कहीं और नहीं दोहराया गया, क्योंकि हर जगह लोगों ने अपने राष्ट्रवाद का विशिष्ट रूप विकसित किया। (vi) बाल्कन एक ऐसा इलाका था जहाँ भौगोलिक और नृजातीय विविधता थी; जिसमें आज के रोमानिया, बुल्गारिया, अल्बानिया, ग्रीस, मैसेडोनिया, क्रोएशिया, बोस्निया–हर्ज़ेगोविना, स्लोवेनिया, सर्बिया और मॉन्टिनिग्रों शामिल थे। (vii) बाल्कन के निवासियों को 'स्लाव' के नाम से जाना जाता था। (viii) बाल्कन का एक बड़ा हिस्सा ऑटोमन साम्राज्य के नियंत्रण में था। (ix) बाल्कन में 'रूमानी राष्ट्रवाद' के विचारों के प्रसार और साथ ही ऑटोमन साम्राज्य के टूटने से यह क्षेत्र बहुत ही विस्फोटक बन गया। (x) एक–एक करके, इसके अधीन यूरोपीय राष्ट्रों ने इसके नियंत्रण से खुद को अलग कर लिया और अपनी आज़ादी का ऐलान कर दिया। (xi) बाल्कन के राज्य एक–दूसरे से बहुत अधिक ईर्ष्या करते थे, और हर कोई दूसरे की कीमत पर अधिक से अधिक इलाका हासिल करने की उम्मीद रखता था। (xii) इस दौरान, यूरोपीय ताकतों के बीच व्यापार और उपनिवेशों को लेकर, साथ ही नौसैनिक और सैन्य ताकत को लेकर भी ज़बरदस्त होड़ मची हुई थी। (xiii) हर शक्ति –रूस, जर्मनी, इंग्लैंड, ऑस्ट्रो–हंगरी – बाल्कन पर दूसरी ताकतों के प्रभाव को कम करने और उस इलाके पर अपना नियंत्रण बढ़ाने की होड़ में लगी हुई थी। (xiv) इस वजह से इस इलाके में कई युद्ध हुए, और आखिरकार 1914 में पहला विश्व युद्ध छिड़ गया। (xv) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**		
9.	**दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:** ***भारत छोड़ो आंदोलन*** *क्रिप्स मिशन की असफलता एवं द्वितीय विश्व युद्ध के प्रभावों ने भारत में व्यापक असंतोष को जन्म दिया। इसके फलस्वरूप गांधीजी ने एक आंदोलन शुरू किया, जिसमें उन्होंने अंग्रेजों को पूरी तरह से भारत छोड़ने पर जोर दिया। वर्ष 14 जुलाई 1942 को अपनी कार्यकारिणी में कांग्रेस कार्य समिति ने ऐतिहासिक 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव पारित किया, जिसमें सत्ता का भारतीयों को तत्काल हस्तांतरण एवं भारत छोड़ने की मांग की गई। 8 अगस्त 1942 को बंबई में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया, जिसमें पूरे देश में व्यापक नागरिक अवज्ञा परंतु अहिंसक जन संघर्ष का आह्वान किया गया। इसी अवसर पर गांधीजी ने प्रसिद्ध 'करो या मरो' भाषण दिया। 'भारत छोड़ो' के इस आह्वान ने देश के अधिकतर हिस्सों में राज्य व्यवस्था को ठप्प कर दिया, लोग स्वतः ही आंदोलन में कूद पड़े। लोगों ने हड़तालों की और राष्ट्रीय गीतों एवं नारों के साथ प्रदर्शन किए एवं जुलूस निकाले। यह आंदोलन भारत में एक जन आंदोलन बन गया, जिसमें युवा, मजदूर और किसान जैसे हजारों सामान्य लोगों ने हिस्सा लिया। इसमें नेताओं की सक्रिय भागीदारी भी देखी गई जिनमें जयप्रकाश नारायण, अरुणा आसफ अली एवं राम मनोहर लोहिया और बहुत सारी महिलाएं जैसे बंगाल से मातंगिनी हाजरा, असम से कनकलता बरुआ और उड़ीसा से रमा देवी थीं। अंग्रेजों द्वारा अत्यधिक बल प्रयोग के बावजूद इसे दबाने में एक वर्ष से अधिक समय लग गया।* **(9.1) भारत छोड़ो आंदोलन के प्रमुख उद्देश्य का उल्लेख कीजिए।** **1** भारत की स्वतंत्रता **(9.2) गांधीजी ने अपना प्रसिद्ध 'करो या मरो' भाषण कहाँ दिया था?** **1** बॉम्बे /मुंबई	**49**	**1+1+2=4**

	(9.3) 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान विरोध के तरीकों की व्याख्या कीजिए। 2X1=2 (i) लोग स्वेच्छा से आंदोलन में शामिल हो गए। (ii) लोगों ने हड़तालें और प्रदर्शन किए। (iii) जुलूसों में राष्ट्रीय गीत और नारे लगाए जाते थे। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या कीजिए।**		
10.	**कृपया संलग्न मानचित्र देखिए।** **'नोटः' निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 10 के स्थान पर हैं।** **(10.1) उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ 1927 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था। 1** मद्रास/चेन्नई **(10.2) उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ महात्मा गांधी ने नमक कानून तोड़ा था। 1** दांडी		**1+1=2**
	खण्ड ख **(भूगोल)**		**20**
11.	(C) a-ii,b-iii,c-iv,d-i	**7,9**	**1**
12.	(D) धान, मक्का,मूँगफली,सोयाबीन	**32**	**1**
13.	(B) II,IV,I,III	**24**	**1**
14.	**(क) लौह एवं अलौह खनिजों में अंतर स्पष्ट कीजिए।**	**44-45**	**2x1=2**

लौह खनिज	अलौह खनिज
(i) ये धातुशोधन उद्योगों के विकास के लिए एक मज़बूत आधार प्रदान करते हैं।	(i) ये कई धातुशोधन, इंजीनियरिंग और विद्युत उद्योगों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
(ii) धात्विक खनिजों के कुल उत्पादन मूल्य का लगभग तीन–चौथाई हिस्सा इन्हीं का होता है।	(ii) भारत में अलौह खनिजों के भंडार और उत्पादन की स्थिति बहुत संतोषजनक नहीं है।
(iii) लौह अयस्क और मैंगनीज़ इसके उदाहरण हैं।	(iii) तांबा और बॉक्साइट इसके उदाहरण हैं।
(iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।	(iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।

अंतर के किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।

अथवा

	(ख) ऊर्जा के परंपरागत एवं गैर –पंरपरागत स्रोतों में अंतर स्पष्ट कीजिए।	**50-54**	**2x1=2**

ऊर्जा के परंपरागत स्रोत	ऊर्जा के गैर –पंरपरागत स्रोत
(i) अनवीकरणीय स्रोत।	(i) नवीकरणीय स्रोत।
(ii) प्रदूषक के स्रोत।	(ii) पर्यावरण के अनुकूल।
(iii) सीमित भंडार, और समाप्त होने योग्य।	(iii) असीमित भंडार और कभी न समाप्त होने वाले।
(iv) पारंपरिक स्रोत कोयला, लकड़ी, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस आदि हैं।	(iv) गैर–पारंपरिक स्रोत सौर, पवन आदि हैं।
(v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।	(v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।

अंतर के किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।

15.	**''रोपण कृषि एक प्रकार की वाणिज्यिक कृषि भी है।'' उपयुक्त तर्कों द्वारा इस कथन की पुष्टि कीजिए।** (i) रोपण कृषि में, एक बड़े क्षेत्र पर केवल एक ही फसल उगाई जाती है। (ii) रोपण कृषि, उद्योग और कृषि का अंतरापृष्ठ है। (iii) रोपण कृषि में ज़मीन का बहुत बड़ा हिस्सा शामिल होता है। (iv) इसके लिए बहुत अधिक पूँजी की आवश्यकता होती है। (v) यह श्रम–प्रधान कृषि है। (vi) इसमें उत्पादन मुख्य रूप से बाज़ार के लिए किया जाता है। (vii) उदाहरणः चाय, कॉफ़ी और रबड़। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	**31**	**3x1=3**
16.	**(क) ''विनिर्माण उद्योग देश के आर्थिक विकास की रीढ़ समझे जाते हैं।'' उपयुक्त तर्कों द्वारा इस कथन को न्यायसंगत ठहराइए।** (i) विनिर्माण उद्योग कृषि के आधुनिकीकरण में सहायता करते हैं। (ii) यह लोगों की कृषि आय पर अत्यधिक निर्भरता को कम करते हैं। (iii) औद्योगिक विकास बेरोज़गारी को समाप्त करने की पूर्व–शर्त है। (iv) इसका उद्देश्य क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना है। (v) यह गरीबी को कम करते हैं। (vi) यह व्यापार और वाणिज्य के विस्तार में सहायता करते हैं। (vii) यह विदेशी मुद्रा अर्जित करते हैं और इसलिए ये अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रकों के विकास में योगदान करते हैं। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।** **अथवा**	**58**	**5x1=5**

	(ख) ''कृषि तथा उद्योग एक – दूसरे के पूरक हैं।'' उपयुक्त तर्कों द्वारा इस कथन को न्यायसंगत ठहराइए। (i) भारत में कृषि–उद्योगों ने कृषि को प्रोत्साहित किया है। (ii) वे कच्चे माल के लिए कृषि पर निर्भर रहते हैं। (iii) वे किसानों को सिंचाई पंप, उर्वरक, कीटनाशक आदि उपलब्ध कराते हैं। (iv) उन्होंने किसानों को अपना उत्पादन बढ़ाने में सहायता की है। (v) इससे उत्पादन प्रक्रिया की कार्यक्षमता बढ़ती है। (vi) कृषि और उद्योग को एक–दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता हैं। (vii) कृषि विभिन्न उद्योगों को कच्चा माल उपलब्ध करवाती है। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	**57,58**	**5x1=5**
17.	**दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:** ***संयुक्त वन प्रबंधन*** *भारत में संयुक्त वन प्रबंधन कार्यक्रम क्षेत्रीय वनों के प्रबंध और पुनर्निर्माण में स्थानीय समुदायों की भूमिका के महत्व को उजागर करता है। औपचारिक रूप में इन कार्यक्रमों की शुरुआत 1988 में हुई जब ओडिशा राज्य ने संयुक्त वन प्रबंधन का पहला प्रस्ताव पारित किया। वन विभाग के अंतर्गत 'संयुक्त वन प्रबंधन' क्षरित वनों के बचाव के लिए कार्य करता है और इसमें गाँव के स्तर पर संस्थाएं बनाई जाती हैं, जिसमें ग्रामीण और वन विभाग के अधिकारी संयुक्त रूप से कार्य करते हैं। इसके बदले ये समुदाय मध्य स्तरीय लाभ जैसे गैर–इमारती वन उत्पादों के हकदार होते हैं तथा सफल संरक्षण से प्राप्त इमारती लकड़ी लाभ में भी भागीदार होते हैं।* *भारत में पर्यावरण के विनाश और पुनर्निर्माण की क्रियाशीलताओं से सीख मिलती है कि स्थानीय समुदायों को हरित आर्थिक संस्थाओं में शामिल करना चाहिए। स्थानीय समुदायों को फैसले लेने की प्रक्रिया में मुख्य भूमिका देने में अभी देरी है। अतः वे विकास क्रियाएं मान्य होनी चाहिए जो जनमानस पर केंद्रित हों, पर्यावरण हितैषी हों और आर्थिक रूप से दीर्घकालिक हों।* **(17.1) वनों का संरक्षण क्यों आवश्यक है ?** **1** (i) पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए (ii) वन्यजीवों के संरक्षण के लिए (iii) कोई अन्य प्रसांगिक बिंदु **किसी एक बिन्दु की व्याख्या अपेक्षित है।** **(17.2) 'संयुक्त वन प्रबंधन' कार्यक्रम में किस प्रकार के वनों का संरक्षण किया जाता है ?** **1** क्षरित वन **(17.3) वन संरक्षण के लिए स्थानीय समुदायों की भूमिका को स्पष्ट कीजिए। 2X1=2** (i) भारत में वन पारंपरिक समुदायों का आवास है। (ii) राजस्थान के अलवर ज़िले के पाँच गाँवों के लोगों ने 1200 हेक्टेयर जंगल को "भैरोदेव डाकव सोंचुरी" घोषित कर दिया है और अपने नियम व कानून निर्धारित किए। (iii) स्थानीय समुदाय और सरकार मिलकर वनों का संरक्षण कर सकते हैं। (iv) स्थानीय समुदाय, वनों के संरक्षण के तरीके सुझा सकते हैं। (v) स्थानीय समुदाय, वनों के संरक्षण की आवश्यकता के प्रति जनता को जागरूक करने के लिए विरोध प्रदर्शन और आंदोलन आयोजित कर सकते हैं; जैसे – चिपको आंदोलन और नवदानय आंदोलन। (vi) कोई अन्य प्रसांगिक बिंदु **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	**16-17**	**1+1+ 2=4**

18.	**कृपया संलग्न मानचित्र देखिए।** **नोटः निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए संख्या 18 के स्थान पर हैं:** किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(18.1) गुजरात में नर्मदा नदी पर बने सबसे बड़े बांध का नाम लिखिए। 1** सरदार सरोवर **(18.2) उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ पंजाब में अंतर्राष्ट्रीय हवाई पत्तन स्थित है। 1** अमृतसर / चंडीगढ़ **(18.3) उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ कर्नाटक में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क स्थित है। 1** बेंगलूरू **(18.4) उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ ओडिशा में प्रमुख समुद्री पत्तन स्थित है। 1** पाराद्वीप			
	खण्ड ग **(राजनीति विज्ञान)**			**20**
19.	(A)	यूरोप का छोटा देश	**2**	**1**
20.	(C) (C)	भारतीय संसद **केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थी के लिए–** राज्यसभा	मुख्य पृष्ठ **17,20**	**1** **1**
21.	(D)	स्विट्जरलैंड	**15**	**1**
22.	(A)	स्वीडन	**31**	**1**
23.	**जनमत निर्माण में राजनीतिक दलों की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।** (i) राजनीतिक दल मुद्दों को उठाते हैं और उन्हें उजागर करते हैं। (ii) राजनीतिक दल के लाखों सदस्य और कार्यकर्ता पूरे देश में फैले होते हैं। (iii) कई दबाव समूह राजनीतिक दल के ही विस्तार होते हैं। (iv) राजनीतिक दल कभी–कभी लोगों के सामने आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए आंदोलन भी शुरू करते हैं। (v) अक्सर समाज में लोगों की राय उन्हीं के आधारों पर बनती है, जिन्हें राजनीतिक दल अपनाते हैं। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**		**49**	**2x1=2**
24.	**भारत में महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के लिए उपाय सुझाइए।** (i) निर्वाचित संस्थाओं में महिलाओं का उचित अनुपात होना, कानूनी रूप से अनिवार्य बनाया जाए। (ii) किसी भी निर्वाचित संस्था में अधिक से अधिक सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होनी चाहिए। (iii) महिलाओं को सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**		**35**	**2x1=2**

25.	**भारतीय संविधान सामाजिक विविधताओं का समायोजन किस प्रकार करता है? उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।** (i) भारत देश का कोई आधिकारिक धर्म नहीं है। (ii) संविधान जाति के आधार पर भेदभाव को प्रतिबंधित करता है। (iii) संविधान अस्पृश्यता को प्रतिबंधित करता है। (अनुच्छेद 17)। (iv) समानता का अधिकार एक मौलिक अधिकार है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	**38**	**3x1=3**
26.	**(क) राजनीतिक दलों के प्रमुख कार्यों का वर्णन कीजिए।** (i) राजनीतिक दल चुनाव लड़ते हैं। (ii) वे अलग–अलग नीतियाँ और कार्यक्रम पेश करते हैं। (iii) वे कानून बनाते हैं। (iv) वे सरकार बनाते हैं और चलाते हैं। (v) वे विपक्ष की भूमिका निभाते हैं। (vi) वे जनमत को आकार देते हैं। (vii) वे सरकारी मशीनरी और कल्याणकारी योजनाओं तक जनता की पहुँच उपलब्ध कराते हैं। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं पाँच बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।** **अथवा** **(ख) भारत में राजनीतिक दलों के समक्ष प्रमुख चुनौतियों का वर्णन कीजिए।** (i) आंतरिक लोकतंत्र का अभाव। (ii) वंशानुगत उत्तराधिकार। (iii) धन और बाहुबल की बढ़ती भूमिका। (iv) सार्थक विकल्प का अभाव। (v) पारदर्शिता का अभाव। (vi) समान अवसर का अभाव। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं पाँच बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।**	**49** **59**	**5x1=5** **5x1=5**
27.	**दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:** ***सत्ता की साझेदारी के रूप*** *राजनीतिक सत्ता का बंटवारा नहीं किया जा सकता – इसी धारणा के विरुद्ध सत्ता की साझेदारी का विचार सामने आया। लंबे समय से यही मान्यता चली आ रही थी कि सरकार की सारी शक्तियाँ एक व्यक्ति या किसी खास स्थान पर रहने वाले व्यक्ति–समूह के हाथ में रहनी चाहिए। अगर फैसले लेने की शक्ति अधिक लोगों में बाँट दी जाएँ तो फैसले लेने में मुश्किलें होंगी। परंतु यह धारणाएँ लोकतंत्र की आविर्भाव के साथ–साथ बदल गई हैं। लोकतंत्र का एक बुनियादी सिद्धांत है कि जनता ही सारी राजनीतिक शक्ति का स्रोत है। इसमें लोग स्व–शासन की संस्थाओं के माध्यम से अपना शासन चलाते हैं। एक अच्छे लोकतांत्रिक शासन में, समाज के विभिन्न समूहों और उनके विचारों को उचित सम्मान दिया जाता है और सार्वजनिक नीतियाँ तय करने में सबकी बातें शामिल होती हैं। इसलिए उसी लोकतांत्रिक शासन को अच्छा माना जाता है जिसमें ज्यादा से ज्यादा नागरिकों को राजनीतिक सत्ता में हिस्सेदार बनाया जाए।*	**8**	**1+1+ 2=4**

	(27.1) सरकार की समस्त शक्तियाँ एक ही व्यक्ति के हाथों में क्यों नहीं होनी चाहिए? **1** (i) लोकतंत्र का मूल सिद्धांत सत्ता की साझेदारी में विश्वास है इसलिए सत्ता की साझेदारी होनी चाहिए। (ii) इससे तानाशाही आ सकती है। (iii) कोई अन्य प्रसांगिक बिंदु **किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है।** **(27.2) सत्ता का बंटवारा क्यों आवश्यक है?** **1** (i) सामाजिक विविधता को समायोजित करना। (ii) संघर्षों से बचना। (iii) कोई अन्य प्रसांगिक बिंदु **किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है।** **(27.3) स्व–शासन की संस्थाओं के माध्यम से शासन चलाना किस प्रकार लोकतंत्र को मजबूत करता है? स्पष्ट कीजिए।** **2x1=2** (i) यह लोगों के अधिकारों को मज़बूत करता है। (ii) यह सरकार को अधिक जवाबदेह बनाता है। (iii) स्थानीय लोगों को अपने इलाकों की समस्याओं के बारे में बेहतर जानकारी होती है। (iv) यह लोगों को निर्णय लेने की प्रक्रिया में सीधे तौर पर भाग लेने में मदद करता है। (v) कोई अन्य प्रसांगिक बिंदु **किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**		
	खण्ड घ **(अर्थशास्त्र)**			**20**
28.	(C)	S	**10**	**1**
29.	(A)	अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है, और कारण (R) अभिकथन (A) सही व्याख्या करता है।	**59**	**1**
30.	**यदि परीक्षार्थी ने A,B,C अथवा D किसी भी विकल्प का चयन किया है तो उसे अंक प्रदान किया जाए।**		**8,9**	**1**
31.	(B)	केवल I व III सही है।	**64**	**1**
32.	(C)	केवल I व II सही है।	**41**	**1**
33.	(B)	व्यक्तिगत तौर पर नियंत्रण	**33**	**1**
34.	(A)	फसल का अधिक समर्थन मूल्य	**4**	**1**
35.	**सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में केवल अंतिम वस्तुओं और सेवाओं की ही गणना क्यों की जाती है? स्पष्ट कीजिए।** (i) अंतिम वस्तुओं के मूल्य में पहले से ही सभी मध्यवर्ती वस्तुओं का मूल्य शामिल होता है। (ii) दोहरी गणना से बचने के लिए। (iii) यह सकल घरेलू उत्पाद की वास्तविक वृद्धि को प्रदर्शित करता है। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**		**23**	**2x1=2**

36.	**विश्वभर के उत्पादन को परस्पर जोड़ना किस प्रकार वैश्वीकरण को बढ़ावा देता है? स्पष्ट कीजिए।** (i) वैश्वीकरण देशों के मध्य परस्पर संबंध या तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया है। (ii) बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ उन स्थानों की तलाश करती हैं जहाँ उनके उत्पादन की लगात कम हो। इन देशों में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के निवेश में वृद्धि हो रही है। (iii) बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ स्थानीय कंपनियों के साथ मिलकर उत्पादन करती है। (iv) ये उत्पादों को विश्वभर में बेचतीं हैं। (v) विदेशी व्यापार का बड़ा हिस्सा बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ द्वारा नियंत्रित है। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	**61-64**	**3x1=3**
37.	**' देश के ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार के अवसरों को बढ़ाने के लिए कोई तीन उपाय सुझाइए।** (i) स्थानीय उद्योगों की पहचान और उन्हें बढ़ावा देना। (ii) ग्रामीण बैंक और सहकारी समितियाँ स्थापित करना। (iii) स्वयं सहायता समूहों (SHGs) को सहायता देना। (iv) महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम/विकसित भारत– जी राम जी (MGNREGA/VBG-RAM G) जैसी और योजनाएँ शुरू की जानी चाहिए। (v) स्कूल, अस्पताल जैसे – बुनियादी ढाँचे का विकास। (vi) स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देना। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	**29**	**3x1=3**
38.	**(क) देश के आर्थिक विकास में ऋण के महत्त्व का विश्लेषण कीजिए।** (i) आर्थिक विकास में ऋण एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक भूमिका निभाता है। (ii) ऋण नए व्यवसायों की स्थापना एवं लघु व्यवसायों को स्थापित करने में सहायता प्रदान करते हैं। (iii) लोग सुलभ ऋण की उपलब्धता से कृषि, उद्योग, शिक्षा एवं अवसंरचना में निवेश कर सकते हैं। जिससे आर्थिक वृद्धि को प्रोत्साहन मिलता है। (iv) किसान, बीज, खाद, मशीनरी खरीदने के लिए ऋण ले सकते हैं जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होती है। (v) ऋण की सहायता से जब व्यवसायों में वृद्धि होती है उससे लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होते हैं। (vi) लोग जीवन स्तर को सुधारने के लिए गृह एवं वाहन आदि के लिए ऋण लेते हैं।	**43**	**5x1=5**

	(vii) उद्योगों को मशीन,तकनीक और कच्चा माल खरीदनें के लिए अधिक धन की आवश्यकता होती है जिसकी व्यवस्था ऋण द्वारा की जाती है। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं पाँच बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।** **अथवा** **(ख) देश के ग्रामीण विकास में 'स्वयं–सहायता समूहों' के महत्त्व का विश्लेषण कीजिए।** (i) स्वयं सहायता समूह उधार लेने वालों को समर्थक ऋणाधार (गिरवी रखने के लिए संपत्ति) की कमी की समस्या से उबरने में मदद करते हैं। (ii) उन्हें अलग–अलग कामों के लिए समय पर लोन मिल सकता है। (iii) ऋण आसानी से उपलब्ध होता है। (iv) ऋण पर ब्याज दर बहुत कम होती है। (v) स्वयं सहायता समूह ग्रामीण गरीबों के संगठन की बुनियादी ईंटें हैं। (vi) स्वयं सहायता समूह महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करते हैं। (vii) स्वयं सहायता समूह स्वास्थ्य, पोषण जैसे अलग–अलग सामाजिक मुद्दों पर चर्चा करने और उन पर काम करने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं पाँच बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	**51**	**5x1=5**

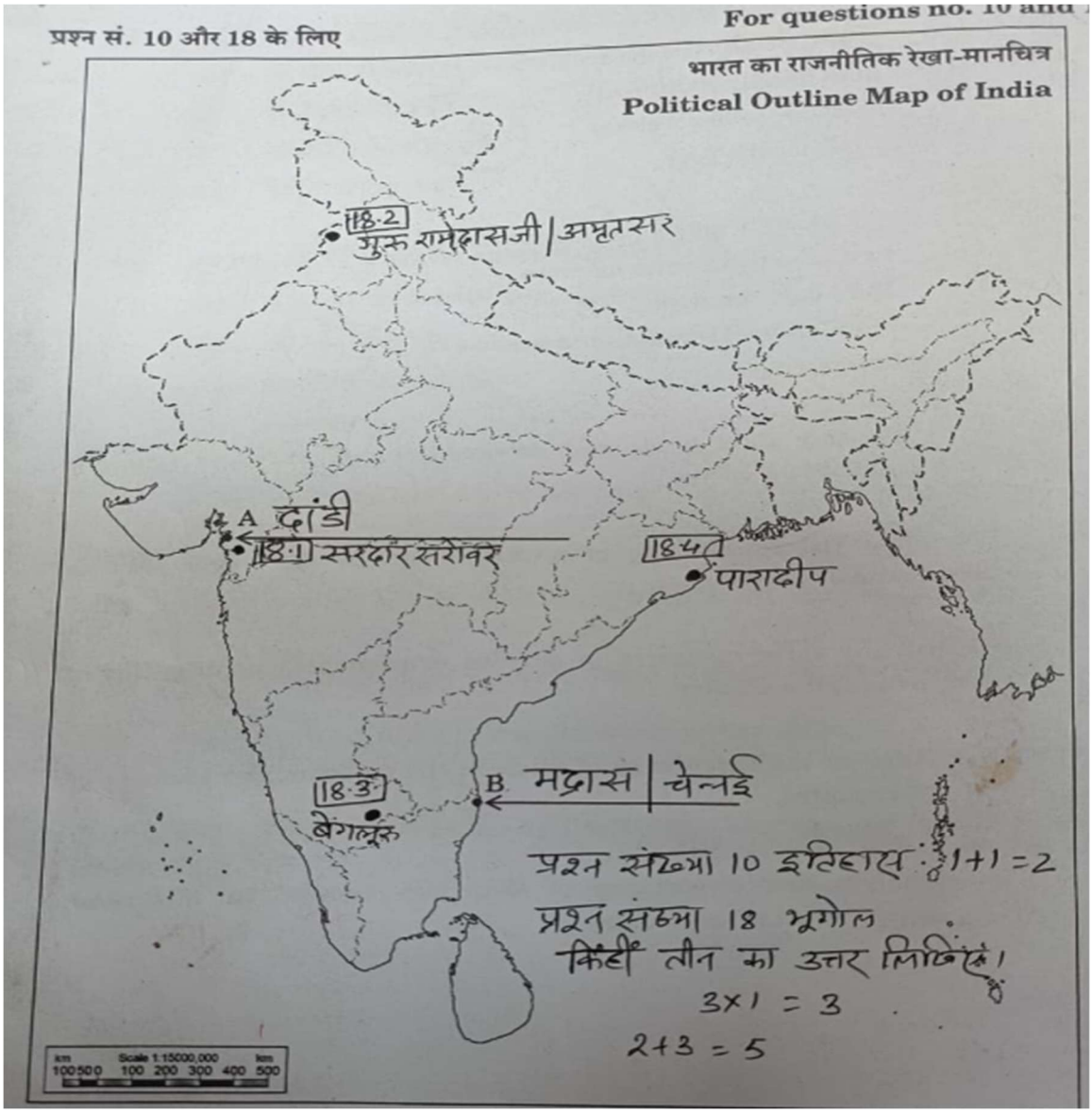

नोटः यदि परीक्षार्थियों ने मानचित्र पर अंकित दोनों स्थानों की अवस्थिति की सही पहचान की है लेकिन उनके नामों को अदल बदल कर (इंटरचेंज करके) (मद्रास/चेन्नई और दांडी या दांडी और मद्रास/चेन्नई) अंकित किया है तो अंक अवश्य प्रदान किए जाएँ।